

वादी का वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये पत्रिका

डिक्री व मुकदमें इब्तदाई
(ऑर्डर 20, रूल 6-7 जाब्ता दीवानी)
(Civil Procedure Code, Appellendix 'D'-1)

अज अदालत सहायक कलक्टर सेडवा मुकाम सेडवा जिला बाडमेर
व इजलास श्री विरेन्द्रसिंह भाटी आर.ए.एस.

वादीगण	बनाम	प्रतिवादीगण
1. श्रीमति मियण पुत्री अब्दुला पत्नि सचूखां जाति मुसलमान, निवासी हरपालिया, तहसील सेडवा, जिला बाडमेर।		1. उस्मान पुत्र अब्दुला 2. एलियास पुत्र अब्दुला 3. इदरीश पुत्र नसीरखां जाति मुसलमान, निवासी हरपालिया, तहसील सेडवा, जिला बाडमेर।

मुकदमा नम्बर : 01/2021

दावा बाबत : राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 188 RT Act

मियण बनाम उस्मान वगैरा

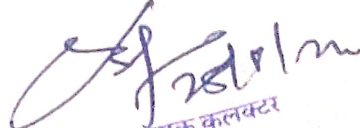
यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रूबरू न्यायालय बहाजरी श्री बाबुलाल विरनोई एड. मिनजानिब मुदाई व मिनजानिब मुदायलाह पेश होकर हुकम दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि वादीनी का वाद स्वीकार किया जाकर मौजा हरपालिया पटवार क्षेत्र हरपालिया भू.अ.नि. क्षेत्र सेडवा तहसील सेडवा के खेत खसरा संख्या 95, 115, 147 व 151 वर्तमान खसरा संख्या 385/95 रकबा 28.13 बीघा, खसरा संख्या 397/115 रकबा 22.05 बीघा खसरा संख्या 426/147 रकबा 12.03 बीघा, खसरा संख्या 430/151 रकबा 15.14 बीघा किस्म बारानी सोयम सम्पूर्ण रकबा 78.15 बीघा भूमि में वादीनी का 1/3 हिस्सा अपनी खातेदारी में घोषित किया जाता है। तहसीलदार सेडवा को आदेशित किया जाता है कि उपरोक्त निर्णय अनुसार राजस्व रेकर्ड में अमल दरामद कर पालना सुनिश्चित करे। डिक्री पर्चा जारी हो।

बसगत मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से आज दिनांक 28/08/24 को जारी की गई।

बीज मबलिंग बाबत पर्चा इस मुकदमे के मय सुद
व शरह फीसदी सालाना आज ही तारीख से तारीख व गूलप्रार्थी तक को अदा करे।
वसगत मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज दिनांक को जारी की गई।

मुहर	रुपया	पै	मुदायलाह	रुपया	पै
स्टाम्प अर्चीदाया स्टाम्प वकालतनामा स्टाम्प संबूत पइमनामा वकील खर्चा गयाहान फीस कमीशनर बाबत इजराय हुक्मनामा मुताफरिक			स्टाम्प वकालतनामा स्टाम्प वजी महनताना वकील पर खर्चा गयाहान फीस कमीशनर बाबत इजराय हुक्मनामा मुताफरिक		
मोजान			मोजान		

नोट - इस खर्च के फार्म पर कुल खर्चा दर दो फरीकन का चाह बिकरी के जरिये दिलावे करना।

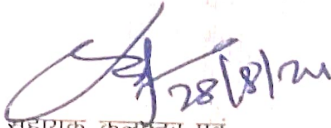

सहायक कलक्टर
(SDO) सेडवा

वादी का वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। प्रतिवादीगण के नोटिस तामिलशुदा प्राप्त हुए जिससे शामिल पत्रावली किया जाता है। प्रतिवादी संख्या 1 के अधिवक्ता श्रीराम विश्णोई मय जवाब पेश किया जिससे शामिल पत्रावली किया जाता है। प्रतिवादी संख्या 02 के अधिवक्ता आम्बाराम पूनडी इकबालिया जवाब प्रस्तुत किया जिससे शामिल पत्रावली किया जाता है। प्रतिवादी संख्या 03 के नोटिस तामिलशुदा प्राप्त होने के बावजूद भी कोई उपस्थित नहीं इसलिए उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाती है। वादी वकील ने लिखित दस्तावेज साक्ष्य में प्रदर्श ई.एक्स.पी.1 आंशिक नक्शा मौजा हरपालिया प्रदर्श ई.एक्स.पी.2 जमाबन्दी मौजा हरपालिया खेत खसरा संख्या वर्तमान खसरा संख्या 385/95 रकबा 28.13 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 397/115 रकबा 22.05 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 426/147 रकबा 12.03 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 430/151 रकबा 15.14 बीघा किरम बारानी सोयम सम्पूर्ण रकबा 78.15 बीघा जिनकी प्रमाणित प्रतिलिपि न्यायालय में Exhibit करवाये।

उभयपक्षकारान वकील उपस्थित। उभयपक्षकारान के वकील की वहस सुनी गई। प्रतिवादी संख्या 01 व 2 ने वादी के वाद को स्वीकार किया है। पत्रावली का अध्ययन अवलोकन किया गया। पत्रावली पर सलंगन दस्तावेजात का अवलोकन किया गया। जिसके आधार पर स्पष्ट होता है कि वादी का वाद प्रारम्भिक रूप से स्वीकार करने योग्य है।

अतः वादीनी का वाद स्वीकार किया जाकर मौजा हरपालिया पटवार क्षेत्र हरपालिया भू.अ.नि. क्षेत्र सेडवा तहसील सेडवा के खेत खसरा संख्या 95, 115, 147 व 151 वर्तमान खसरा संख्या 385/95 रकबा 28.13 बीघा, खसरा संख्या 397/115 रकबा 22.05 बीघा खसरा संख्या 426/147 रकबा 12.03 बीघा, खसरा संख्या 430/151 रकबा 15.14 बीघा किरम बारानी सोयम सम्पूर्ण रकबा 78.15 बीघा भूमि में वादीनी का 1/3 हिस्सा घोषित किया जाता है। तहसीलदार सेडवा को आदेशित किया जाता है कि उपरोक्त निर्णय अनुसार राजस्व रेकॉर्ड में अमल दरामद कर पालना सुनिश्चित करे। डिक्री पूर्वा जारी हो। निर्णय आज दिनांक 28/08/24 को खुले न्यायालय में सरे इजलास सुनाया गया।

पत्रावली फैसल शुगार होकर दाखिल दपतर होकर नम्बर से कम हो।


सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी सेडवा
सहायक कलक्टर
(SDO) सेडवा

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी रोड़वा जिला बाड़मेर

राजस्व वाद सं. 01/2021

पीठासीन अधिकारी - श्री विरेन्द्रसिंह भाटी, आर.ए.एस

अन्तर्गत धारा 88,188 रा.का.अ.

वादी -

1. श्रीमति मियण पुत्री अब्दुला पत्नि सखूखां जाति मुसलमान, निवासी हरपालिया, तहसील रोड़वा, जिला बाड़मेर।

बनाम

प्रतिवादीगण -

1. उस्मान पुत्र अब्दुला 2. एलियास पुत्र अब्दुला 3. इदरीश पुत्र नसीरखां जाति मुसलमान, निवासी हरपालिया, तहसील रोड़वा, जिला बाड़मेर।

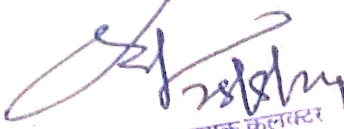
अधिवक्तागण -

वादीगण वकील - श्री बाबुलाल विशनोई

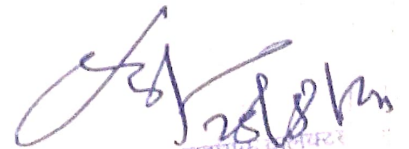
निर्णय

दिनांक :- 28/8/24

वादीनी का वाद संक्षेप में इस प्रकार है कि वादीनी के पिता स्व. अब्दुला के नाम वक्त सेटलमेंट मौजा हरपालिया में खातेदारी भूमि मुल खसरा संख्या 95, 115, 147 व 151 वर्तमान खसरा संख्या 385/95 रकबा 28.13 बीघा किस्म बारानी दोयम खेत खसरा संख्या 397/115 रकबा 22.05 बीघा किस्म बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 426/147 रकबा 12.03 बीघा किस्म बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 430/151 रकबा 15.14 बीघा किस्म बारानी सोयम सम्पूर्ण रकबा 78.15 बीघा आई हुई हैं उक्त भूमि का पर्चा लगान वादीनी के पिता के नाम जारी हुआ। कि सवंत.....से.....के करीब वादीनी के पिता अब्दुला का देहान्त हो गया जिस पर उनकी फौतेदगी नामान्तरकरण संख्या.... भरते वक्त तत्कालीन पटवारी हल्का ने वादीनी का नाम स्व. अब्दुला की खातेदारी की विरासत का नामान्तरकरणपारित किया गया वादीनी के भाई के नाम स्व. अब्दुला की जाईन्दा पुत्री है उनका भी अपने पिता खातेदारी भूमि में हिस्सा बनता है। उक्त वादग्रस्त भूमि में वादीनी के भाई का हल्का पटवारी द्वारा नामान्तरकरण भरने व वादीनी को ज्ञान नहीं होने से वादीनी के भाई ने राजस्व रेकर्ड का फायदा उठाकर कुछ खातेदारी भूमि प्रतिवादी संख्या 3 को अलग-अलग बेचान कर दी वादीनी का वादग्रस्त भूमि में मुस्लिम विधि के अनुसार जो हिस्सा बनता था उस हिसाब से वादीनी के हिस्से में 1/3 हिस्सा भूमि आती थी जो वादीनी के पिता ने अपने जीवनकाल में मौके पर अलग करके वादीनी को कब्जा करवाया था जिस पर आज दिन तक वादीनी का कब्जा काश्त है। वादीनी की पैतृक भूमि मौजा हरपालिया पटवार हल्का हरपालिया खेत का मुल खसरा संख्या 95, 115, 147 व 151 वर्तमान खसरा संख्या 385/95 रकबा 28.13 बीघा किस्म बारानी दोयम खेत खसरा संख्या


सहायक कलक्टर
(SDO) रोड़वा

397/115 रकबा 22.05 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 426/147 रकबा 12.03 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 430/151 रकबा 15.14 बीघा किरम बारानी सोयम सम्पूर्ण रकबा 78.15 बीघा भूमि वादीनी की पैतृक भूमि है तथा उक्त भूमि पर वादीनी का अपने पिता के जीवनकाल से कब्जा काशत है मौके पर वादीनी की रहवासी ढाणियां, पशुवाड़े व चारागाह आदि बने हुए हैं। अर्सा कुछ रोज पूर्व जब प्रतिवादी संख्या 1 से 3 ने मुझ वादीनी को आकर धमकाया व जमीन खाली करने को व जमीन से कब्जा छोड़ने को कहा तो हमने उनसे इसका कारण पूछा तो प्रतिवादी संख्या 1 से 3 ने हमें कहा कि उक्त खसरे की सम्पूर्ण भूमि हमारी है तब हल्का पटवारी से वादग्रस्त भूमि की जमाबंदी प्राप्त की तो सर्वप्रथम वादीनी को अपना नाम राजस्व रेकर्ड में नहीं होने का ज्ञान हुआ व प्रतिवादीगण द्वारा हमारी कब्जे काशत व पैतृक भूमि का कब्जा छोड़ने की धमकी देने पर वाद कारण उत्पन्न हुआ तो इस पर वादीनी ने अपने वकील से सम्पर्क किया एवं उक्त वाद तैयार करवाया इसके द्वारा वादीनी वादग्रस्त भूमि मूल खसरा संख्या 95, 115, 147 व 151 वर्तमान खसरा संख्या 385/95 रकबा 28.13 बीघा किरम बारानी दोयम खेत खसरा संख्या 397/115 रकबा 22.05 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 426/147 रकबा 12.03 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 430/151 रकबा 15.14 बीघा किरम बारानी सोयम सम्पूर्ण रकबा 78.15 बीघा मौजा हरपालिया में 1/3 हिस्सा अपनी खातेदारी में होना घोषित करवाना चाहती है। जिस हेतु उक्त वाद वारते घोषणा का पेश है। वादीनी का नाम राजस्व रेकर्ड में नहीं होने व प्रतिवादी संख्या 1 द्वारा अपना नाम राजस्व रेकर्ड में होने का वेजा फायदा उठाकर प्रतिवादी संख्या 3 को बेचान कर दिया व प्रतिवादी संख्या 1 से 3 वादीनी को उनकी पैतृक खातेदारी की कब्जे काशतसुदा भूमि से जबरन बेदखल करना चाहते हैं। इसलिए वादीनी प्रतिवादी संख्या 1 से 3 के विरुद्ध इस आशय की स्थायी निषेधाज्ञा प्राप्त करने का अधिकारिणी है कि प्रतिवादीगण उक्त वादग्रस्त भूमि से वादीनी को जबरन बेदखल नहीं करे तथा न ही उक्त भूमि का बेचान या अन्य किसी प्रकार से हस्तान्तरण करे तथा मौके व रेकर्ड की यथार्थिती बनाए रखे जिस हेतु यह वाद स्थायी निषेधाज्ञा का पेश है। बिनाया दावा जब वादग्रस्त भूमि वादीनी के पिता स्व अब्दुला के नाम दर्ज हुई तब तथा जब वादीनी के पिता देहांत हुआ तब उनकी फौतगी का नामान्तरकरण में वादीनी का नाम शामिल नहीं किया तब एवं अर्सा कुछ राजे पूर्व जब वादीनी को अपना नाम राजस्व रेकर्ड में नहीं होने की जानकारी हुई तब तथा प्रतिवादीगण द्वारा वादीनी को उसके पैतृक कब्जे काशत सुदा भूमि से बेदखल करने की धमकी दी तब तब उपर बयान किये अनुसार मौजा हरपालिया तहसील सेडवा में पैदा हुआ। वादग्रस्त भूमि मौजा हरपालिया पटवार क्षेत्र हरपालिया तहसील सेडवा जिला बाडमेर में मूल खसरा संख्या 95, 115, 147 व 151 वर्तमान खसरा संख्या 385/95 रकबा 28.13 बीघा किरम बारानी दोयम खेत खसरा संख्या 397/115 रकबा 22.05 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 426/147 रकबा 12.03 बीघा किरम बारानी सोयम खेत खसरा संख्या 430/151 रकबा 15.14 बीघा किरम बारानी सोयम सम्पूर्ण रकबा 78.15 बीघा भूमि में वादीनी का 1/3 हिस्सा अपनी खातेदारी में होना घोषित किया जाकर उसी अनुसार तमाग राजस्व रेकर्ड में अमल दरामद किया जावे।


सहायक सचिव
(SDO) मेड़वा